समीक्षात्मक एवं सृजनात्मक चिंतन (CCT) अभ्यास अगस्त,2021

कक्षा 9 -10

विषय - हिन्दी

यू.टी. चंडीगढ़, शिक्षा विभाग

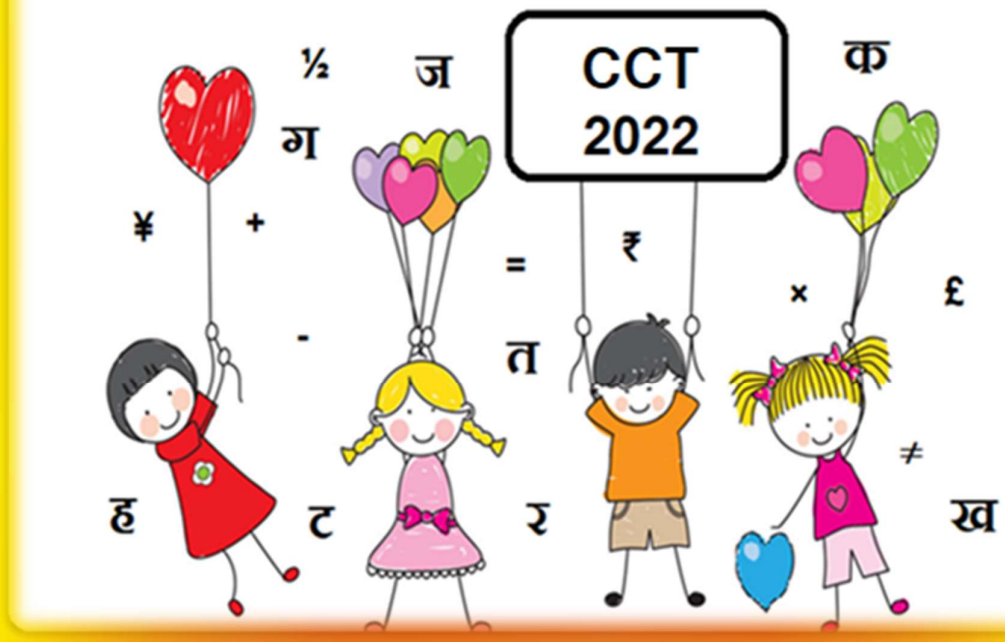

संकलित – राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रायपुर खुर्द, चंडीगढ़।

प्रस्तावना :

प्रस्तुत पुस्तिका का उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन कौशल की समझ विकसित करना है ताकि भाषाई समझ, तथ्य विश्लेषण-ग्रहण एवं आलोचनात्मक चिंतन आदि की ओर प्रवृत्त हों। जीवन के विविध आयामों तक विद्यार्थी की समझ विकसित हो और गणित के प्रति अभिरुचि बढ़े। वह सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार बने और ज्ञान के लिए पाठ्य पुस्तकों से इतर दुनिया की ओर अग्रसर हो।

समन्वयक :

प्राचार्या श्रीमती रेणु पाठक, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रायपुर खुर्द, चंडीगढ़।

प्रवक्ता श्रीमती रेणु गुप्ता, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मनीमाजरा, चंडीगढ़।

निर्माण समिति :

1. बृजरानी राजकीय उच्च विद्यालय, कजहेड़ी, चंडीगढ़।
2. रेनू कटोच राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 37, चंडीगढ़।
3. नीलम चोपड़ा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 27, चंडीगढ़।
4. नीना राणा राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 42, चंडीगढ़।
5. कपिल शर्मा राजकीय उच्च विद्यालय, सेक्टर 53, चंडीगढ़।
6. डॉ० दिनेश चंद्र राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 12, चंडीगढ़।
7. जसविंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 22, चंडीगढ़।
8. रीता वसिष्ट राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, पॉकेट नंबर 1, मनीमाजरा, चंडीगढ़।
9. किरण बाला राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 26, टिंबर मार्केट, चंडीगढ़।
10. गौरव कुमार राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़।
11. रजनी खरबन्दा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 35, चंडीगढ़।
12. सोनिया राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़।
13. तेजिंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 8, चंडीगढ़।

<u>दिशा निर्देश</u> :

शिक्षक रणनीति (कैसे सिखाना है):

- कहानियों के विभिन्न हिस्सों के लिए विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग करेंगे।
- मौन वाचन
- विद्यार्थियों को समूह में बांटकर सस्वर वाचन
- एक विद्यार्थी द्वारा संपूर्ण कक्षा के समकक्ष वाचन
- समूह चर्चा
- अध्यापक: एक स्रोत

दक्षताएँ :

- वार्तालाप
- रचनात्मक सोच
- सूचनाओं की पुन:प्राप्ति
- समस्या समाधान
- कल्पनात्मकता का विकास

विभिन्न आयाम:

- कला एवं साहित्य
- गणित
- समाज व पर्यावरण
- विज्ञान

	Reading Literacy (Hindi)			
	कक्षा 9-10			
Serial No. प्रतिमान संख्या	Name of the Module प्रतिमान का नाम	Taxonomy	Source	Page No.
1	जो बरसों तक सड़े जेल में	Understand/ Reflect	पाठ्य पुस्तक	4
2	रेत कला	Understand/ Reflect	पाठ्य पुस्तक	7

प्रतिमान- 1

पाठ्य पुस्तक : क्षितिज भाग-1	कक्षा : 9वीं
प्रकार : कविता	पाठ का नाम : कैदी और कोकिला
सीखने के प्रतिफल : 906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं। 911. पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त, जैसे - कविता, कहानी, एकांकी, गद्य-पद्य की अन्य विधाओं को पढ़ते-लिखते हैं और कविता की ध्वनि और लय पर ध्यान देते हैं। 913. भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे - विशिष्ट शब्द-भंडार, वाक्य-संरचना, शैली-संरचना, मौलिकता आदि।	

उप विषय : जो बरसों तक सड़े जेल में।

जो बरसों तक सड़े जेल में,
उनकी याद करें।
जो फाँसी पर चढ़े खेल में,
उनकी याद करें।
याद करें काला पानी को,
अंग्रेज़ों की मनमानी को,
कोल्हू में जुट तेल पेरते,
सावरकर से बलिदानी को।
याद करें बहरे शासन को,
बम से थर्राते आसन को,
भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु
के आत्मोत्सर्ग पावन को।
अन्यायी से लड़े,
दया की मत फरियाद करें।
उनकी याद करें।
बलिदानों की बेला आई,
लोकतंत्र दे रहा दुहाई,
स्वाभिमान से वही जियेगा
जिससे कीमत गई चुकाई
मुक्ति मांगती शक्ति संगठित,
युक्ति सुसंगत, भक्ति अकम्पित,
कृति तेजस्वी, घृति हिमगिरि-सी
मुक्ति मांगती गति अप्रतिहत
अंतिम विजय सुनिश्चित, पथ में
क्यों अवसाद करें?
उनकी याद करें।

अटल बिहारी वाजपेयी

प्रश्न :

1. 'बहरा शासन' किसे कहा गया है?

   क) अंग्रेज़ी शासन को ख) तानाशाही शासन को

   ग) लोकतंत्र को घ) राजतंत्र को

2. किसी महान उद्देश्य के लिए अपने प्राणों का त्याग करना _____कहलाता है।

   क) अवसाद ख) अप्रतिहत ग) आत्मोत्सर्ग घ) स्वाभिमान

3. कवि ने किसे न भुलाने को कहा है ?

   i) जेलों में यातनाएं सहने वाले सेनानियों को

   ii) फाँसी पर चढ़ने वाले बलिदानियों को

   iii) अत्याचार से डर कर बैठने वालों को

   iv) काला पानी की सज़ा पाने वाले क्रांतिकारियों को

   क) i,ii,iii ख) ii,iii,iv ग) i,ii,iv घ) i,iii,iv

4. निम्नलिखित शब्दों/वाक्यांशों से अर्थपूर्ण वाक्य बनाने के लिए पुनर्व्यवस्थित करें।

   i) सेनानियों ने तमाम संघर्ष किए और / ii) की लड़ाई में लाखों स्वतंत्रता / iii) अंग्रेज़ों की अमानवीय एवं कठोर यातनाएं झेली / iv) भारत को परतंत्रता से स्वाधीन करवाने

   क) iii, ii, i, iv ख) iv, ii, i,iii

   ग) i, ii, iii, iv घ) iii, i, iv, ii

5. कविता में शब्दों का उनके समुचित अर्थ के साथ मिलान करें :

स्वाभिमान	निर्विघ्न
युक्ति	दुःख
अप्रतिहत	आत्मसम्मान
अकंपित	तरकीब
अवसाद	स्थिर

<u>अध्यापक के लिए</u> :

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	सरल
2	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तार्किक	औसत
4	मूल्यांकित एवं प्रतिबिंबित	बहुविकल्पीय	औसत
5	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	औसत

प्रतिमान- 2

पाठ्य पुस्तक : कृतिका-1	कक्षा : 9वीं
प्रकार : निबंध	पाठ का नाम : माटी वाली
सीखने के प्रतिफल : 903. पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने/समझने को उत्सुक हैं और उन्हें पढ़ते हैं। 907. दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं। 916. हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी के प्रति अपनी रुचि व्यक्त करते हैं तथा इनमें प्रयुक्त होने वाली भाषा को जानने की उत्सुकता रखते हैं।	

उपविषय : रेत कला

कला की कोई सीमा नहीं होती। इसकी अपनी ही एक अलग दुनिया है। एक मूर्तिकार, अभिनेता, नृतक यहाँ तक कि कपड़ों पर कढ़ाई करने वाला भी कलाकार ही होता है। इसी तरह से रेत कला (सैंड आर्ट) भी एक शानदार कला-शैली है। कलाकार समुद्र तट पर रेत से जादू करते हैं। रेत को आकृति देना कोई आसान काम नहीं है। यह रेत पर की जाने वाली एक हस्तकला है, जिसके लिए केवल महीन, दानेदार रेत और पानी का उपयोग किया जाता है। इस कला का इतिहास भी काफी प्राचीन है। एक कथा के अनुसार 'दंडी रामायण' के लेखक कवि बलराम दास को भगवान जगन्नाथ की पूजा की

अनुमति न मिलने पर उन्होंने समुद्र तट पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा की मूर्ति को उकेरा और पूजा की। इसे रेत-कला भी कहते हैं। रेत को आकृति देना कोई आसान काम नहीं है, इसलिए इसके प्रशिक्षण हेतु अभी ज्यादा अवसर उपलब्ध नहीं है। रेत पर बनी मूर्तियाँ आँखों को मोहित करती हैं। रंग-बिरंगी रेत से फर्श पर खूबसूरत रंगोली भी बनाई जाती है जो रेत कला का ही उदाहरण है। भारत के पूर्वांचल में स्थित राज्य ओडिशा रेत कला की जन्मभूमि मानी जाती है। ओडिशा के विश्व प्रसिद्ध सुदर्शन पटनायक रेत कला के प्रसिद्ध कलाकारों में से एक हैं। उनकी कला ज्यादातर वर्तमान वैश्विक मुद्दों, त्योहारों, विश्व शांति, खेल आदि पर आधारित होती है। इसके अतिरिक्त नीतीश भारती और मानव कुमार साहू जैसे रेत

कलाकार अपनी अद्भुत कला की वजह से प्रसिद्ध हुए हैं। मैसूर में स्थित रेत मूर्ति कला संग्रहालय भारत के अद्भुत संग्रहालय में से एक है। इस संग्रहालय में कई ऐसे रेत के मॉडल हैं जो कलाकारों की विशाल प्रतिभा और प्रयासों को बखूबी दर्शाते हैं। एमएन गौरी जो इस संग्रहालय के संस्थापक हैं, उन्होंने कला के क्षेत्र में अद्वितीय और लाजवाब काम किए हैं। भारत में 2 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय रेत कला महोत्सव मनाया जाता है और सर्वश्रेष्ठ कलाकार को पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। यह आयोजन ओडिशा पर्यटन विभाग द्वारा प्रसिद्ध चंद्रभागा बीच (तट) पर किया जाता है जो कोणार्क से लगभग 3 किलोमीटर दूर स्थित है। इस आयोजन में विदेशी कलाकार भी भाग लेते हैं।

प्रश्न:

1. रेत पर कलाकृति बनाने के लिए किन वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाता है?

क) महीन, दानेदार रेत और पानी
ख) रेत और रंग
ग) रंगीन रेत और पानी
घ) रेत, मिट्टी और पानी

2. सर्वप्रथम रेत पर कलाकृति के रूप में मूर्तियों को किसने उकेरा था?

क) मानव कुमार साहू
ख) सुदर्शन पट्टनायक
ग) बलराम दास
घ) नीतीश भारती

3. रेत कला है-

क) हस्तशिल्प
ख) मृत्तिका शिल्प
ग) चर्म शिल्प
घ) धातु शिल्प

4. गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों के समक्ष सही(✓) गलत (✗)का निशान लगाएँ।

क) भारत के पूर्वांचल में स्थित राज्य मैसूर रेत कला की जन्मभूमि मानी जाती है। ( )

ख) मैसूर में स्थित रेत मूर्ति कला संग्रहालय भारत के अद्भुत संग्रहालय में से एक है। ( )

ग) रेत को आकृति देना कोई आसान काम है। ( )

घ) भारत में 2 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय रेत कला महोत्सव मनाया जाता है। ( )

5. एक स्वतंत्रता सेनानी का चेहरा उकेरने के लिए 3 बाल्टी रेत और 1 बाल्टी पानी की जरूरत पड़ती है। यदि उपरोक्त चित्र में आए स्वतंत्रता सेनानियों का चेहरा उकेरना हो तो कितनी बाल्टी रेत और पानी की आवश्यकता होगी?

<u>अध्यापक के लिए</u> :

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	सरल
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
3	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
4	मूल्यांकित एवं प्रतिबिंबित	तार्किक	कठिन
5	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	औसत